(1)

राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक 1]   आठवीं विधान सभा के प्रथम सत्र का प्रथम दिवस   [संख्या 1

मंगलवार
दिनांक 19 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक म. पू.
11.00 बजे विधान सभा भवन जयपुर
में प्रारम्भ हुई ।

(श्री लक्ष्मण सिंह, अध्यक्ष, पदासीन)

अधिसूचना

श्री लक्ष्मणसिंह, विधान सभा सदस्य की अध्यक्ष पद पर नियुक्ति

श्री अध्यक्ष : सचिव, राजस्थान विधान सभा द्वारा पढ़ी जाने वाली अधिसूचनायें।

सचिव, राजस्थान विधान सभा (श्री प्रीतम आचार्यसिन्हा) : महोदय, चित्तौड़गढ़ निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित श्री लक्ष्मणसिंह की अस्थाई अध्यक्ष पद पर नियुक्ति, उनके समक्ष विधान सभा के सदस्यों द्वारा शपथ लेने अथवा प्रतिज्ञान करने, अस्थायी अध्यक्ष की सहायतार्थ की गई नियुक्तियां तथा अस्थाई अध्यक्ष द्वारा दिनांक 16 मार्च, 1985 को प्रातः 11 बजे राज्यपाल महोदय के सम्मुख शपथ लेने सम्बन्धी अधिसूचनायें निम्न प्रकार हैं—

1. अधिसूचना संख्या एफ 1 (2) संसद/85/85 दिनांक 11 मार्च, 1985—"यतः अध्यक्ष का पद अष्टम् राजस्थान विधान सभा के प्रथम सत्र का प्रारम्भ होने से ठीक पूर्व 19 मार्च, 1985 को रिक्त हो जायेगा, और यतः उपाध्यक्ष का पद पहले से रिक्त है, अतः भारत के संविधान के अनुच्छेद 180 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, ओ. पी. मेहरा, राज्यपाल, राजस्थान चित्तौड़गढ़ से (124) विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित अष्टम् विधान सभा के सदस्य श्री लक्ष्मणसिंह को उक्त सत्र के प्रारम्भ होने से सदन के द्वारा अध्यक्ष के निर्वाचन किये जाने तक अध्यक्ष के कृत्यों का पालन और कर्त्तव्यों का निर्वहन करने के लिए, एतद्द्वारा नियुक्त करता हूँ।

ओ. पी. मेहरा
राज्यपाल, राजस्थान

2. अधिसूचना संख्या एफ 1 (2) संसद/85 दिनांक 11 मार्च, 1985—"भारत के संविधान के अनुच्छेद 188 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, ओ. पी. मेहरा, राज्यपाल, राजस्थान श्री लक्ष्मणसिंह, जो चित्तौड़गढ़ विधान सभा क्षेत्र (124) से अष्टम् राजस्थान विधान सभा के लिए सदस्य निर्वाचित हुए हैं, को एतद्द्वारा उस व्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ जिनके समक्ष अष्टम् राजस्थान विधान सभा के सदस्य शपथ लेंगे या प्रतिज्ञान करेंगे तथा उस पर हस्ताक्षर करेंगे।

ओ. पी. मेहरा

राज्यपाल, राजस्थान

3. अधिसूचना संख्या प. 1 (2) संसद/85 दिनांक 13 मार्च, 1985–दिनांक 11-3-1985 के उस आदेश के अनुसरण में, जिसके द्वारा श्री लक्ष्मणसिंह, अस्थाई अध्यक्ष को उस व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया है जिनके समक्ष अष्टम् राजस्थान विधान सभा के नव-निर्वाचित सदस्य शपथ ले सकेंगे या प्रतिज्ञान कर सकेंगे और उस पर हस्ताक्षर कर सकेंगे, मैं ओ. पी. मेहरा, राज्यपाल, राजस्थान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 188 द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रयोजन के लिए श्री लक्ष्मणसिंह की सहायता करने के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को भी एतद्द्वारा नियुक्त करता हूँ—

(1) श्री गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी

(2) श्रीमती विद्या पाठक

(3) श्री दामोदर दास

ओ. पी. मेहरा

राज्यपाल, राजस्थान

4. अधिसूचना संख्या एफ 14 (1) सदन/वि. स./85 दिनांक 16 मार्च, 1985—"श्री लक्ष्मणसिंह, सदस्य, विधान सभा ने भारत के संविधान की तृतीय अनुसूची में दिये गये प्रपत्र 7 ख के अनुसार दिनांक 16 मार्च, 1985 को प्रातः 11 बजे राज्यपाल महोदय के समक्ष शपथ ग्रहण कर ली है।

प्रीतम आधार सिन्हा

सचिव

घोषणा

सभापति तालिका

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि मैं प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 9 (1) के अन्तर्गत निम्नांकित सदस्यों को सभापति तालिका के लिए मनोनीत करता हूँ—

(1) श्री गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी

(2) श्रीमती विद्या पाठक

(3) श्री दामोदर दास।

शपथ/अथवा प्रतिज्ञान

नव निर्वाचित सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण अथवा प्रतिज्ञान

सचिव, विधान सभा क्रमवार नाम पुकारेंगे और सदस्य शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे। अतएव जिस क्रम में आपके नाम पुकारे जायें माननीय सदस्य आगे पधारें और शपथ ग्रहण करें।

सदस्य का नाम 1	शपथ/प्रतिज्ञान 2	भाषा जिसमें शपथ ग्रहण की/प्रतिज्ञान किया 3
श्री हरिदेव जोशी	शपथ	हिन्दी
श्रीमती कमला	शपथ	हिन्दी
श्री रामपाल उपाध्याय	शपथ	हिन्दी
श्री रामदेव सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री गुलाबसिंह शक्तावत	शपथ	हिन्दी
श्री नरेन्द्रसिंह भाटी	शपथ	हिन्दी
श्री शीशराम ओला	शपथ	हिन्दी
श्री छोगाराम बकोलिया	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्री गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी	शपथ	हिन्दी
श्रीमती विद्या पाठक	शपथ	हिन्दी
श्री दामोदर दास	शपथ	हिन्दी

व्यवस्था का प्रश्न

विरोधी दल के नेता को सभापति तालिका के लिए मनोनीत सदस्यों के पश्चात् शपथ

श्री भंवरलाल शर्मा (हवामहल) : पाइन्ट ऑफ आर्डर, अध्यक्ष महोदय, मेरा एक पाइन्ट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : पाइन्ट ऑफ आर्डर की कोई बात ही नहीं है।

श्री बुलाकीदास बल्ला (बीकानेर) : शपथ के समय इस प्रकार के कोई पाइन्ट ऑफ आर्डर उठाने की कभी परम्परा नहीं है।

श्री दिग्विजयसिंह (उनियारा) : एतराज तो कर दिया नियम तो बताओ।

श्री गुलाबसिंह शक्तावत (जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी मंत्री) : किस नियम के तहत पाइन्ट ऑफ आर्डर ?

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, शपथ ग्रहण करने के समय कोई पाइन्ट ऑफ आर्डर नहीं होता।

श्री गुलाबसिंह शक्तावत : पहले शपथ ले लें।

श्री भंवरलाल शर्मा : मेरा एक निवेदन है।

श्री अध्यक्ष : आसन पैरों पर है। शपथ ग्रहण करने के समय कोई पाइन्ट ऑफ आर्डर नहीं हुआ करता।

श्री भंवरलाल शर्मा : मेरा एक निवेदन है वह मैं कर सकता हूँ।

(व्यवधान)

श्री ईश्वरलाल सैनी (लक्ष्मणगढ़) : आपने शपथ ही नहीं ली है अभी।

श्री अध्यक्ष : स्थान ग्रहण करें।

श्री शोपत सिंह (हनुमानगढ़) : आप इनको बोलने तो दें। What he wants to say ?

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आसन पैरों पर है।

यदि माननीय सदस्य को आपत्ति है तो मेरे कक्ष में मिलकर आपत्ति प्रकट कर सकते हैं। उपयुक्त समय नहीं है।

स्थान ग्रहण करें।

श्री नत्थी सिंह (कुम्हेर) : अध्यक्ष महोदय, शपथ ग्रहण करने की प्रक्रिया के संबंध में ही निवेदन करना है। जैसे आपने कैबिनेट के मिनिस्टर्स को शपथ दिलाई है उसी प्रकार विरोधी दल के नेता चुने गये हैं उनको भी शपथ ग्रहण करवाइये।

श्री शोपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, शपथ ग्रहण करने की एक प्रक्रिया है उस प्रक्रिया के अनुसार हमको चलना चाहिये। कौन करेगा यह बात ?

श्री भंवरलाल शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, पूर्व में भी ऐसा ही हुआ है।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको कहना हो, आप संक्षेप में कह दीजिए।

श्री भंवरलाल शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रजातन्त्र में जिस प्रकार सत्ता पक्ष आवश्यक है, विरोधी पक्ष का भी उतना ही महत्व है। अभी जब हम शपथ ग्रहण समारोह कर रहे हैं उस समय आपने……

एक माननीय सदस्य : पहले आप ईश्वर को याद कर लीजिए।

श्री भंवरलाल शर्मा : आपने सत्ता पक्ष के नेता, जो अपने सदन के भी नेता हैं, को और उनके मंत्रिमण्डल को क्रमवार शपथ दिलायी है। क्रम तोड़कर भी दिलवा दी आपने, कोई बात नहीं। लेकिन अब विरोधी पक्ष के जो नेता हैं, उनका भी उतना ही महत्वपूर्ण स्थान है जितना सदन के नेता का है। सदन के नेता के बाद अगर क्रम से शपथ दिलायी जाय, दिलायी जानी चाहिए तो उसमें हमारे विरोधी पक्ष के जो नेता हैं पहले उनको दिलायें। यह अच्छी परम्परा होगी।

श्री बुलाकीदास कल्ला : अध्यक्ष महोदय, अभी तक विरोधी पक्ष के नेता डिक्लेयर नहीं हुए हैं और परम्परा भी ऐसी नहीं रही है, न ही ऐसी कोई सूचना इन्होंने दी है सदन को या आपको।

श्री शोपत सिंह : यह बोल क्या रहे हैं इनसे पूछो तो जरा।

श्री बुलाकीदास कल्ला : मैं एक निवेदन और, अध्यक्ष महोदय, करना चाहता हूँ। 1968 में इस सदन में सतीश चन्द्रजी ने शपथ ग्रहण के समय आपत्ति उठायी थी तो आसन ने यह निर्णय दिया था कि शपथ ग्रहण के समय कोई पाइन्ट ऑफ आर्डर नहीं होगा।

श्री शोपत सिंह : क्या बोल रहे हैं यह ?

श्रीमती उजला अरोड़ा (जयपुर ग्रामीण) : सचेतक जी से निवेदन है कि वह अध्ययन करें जरा।

श्री भंवरलाल शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने सूचना दी है, हमारे दल के नेता के निर्वाचन की सूचना दी है।

सुश्री पुष्पा जैन (पाली) : अध्यक्ष महोदय, जैसी कि इस सदन में परम्परा रही है, इससे पहले हमेशा शपथ ग्रहण का क्रम होता है, एल्फाबेटिकल हिसाब से होता है। इससे पहले ऐसा कभी भी नहीं हुआ कि सत्ता दल के नेताओं को पहले शपथ दिलायी जाय और उसके बाद एल्फाबेटिकल रो पर आया जाय। अब इस बार नयी परम्परा इस सदन में पड़ी है। तो मेरा निवेदन है कि उस परम्परा

(सुश्री पुष्पा जैन)

को पूरे तौर पर निभाया जाय। सत्ता पक्ष के नेताओं को पहले शपथ दिलायी गयी है। बेहतर होगा, इस सदन की परम्परा अच्छी तरह से निभा सकें, तो विरोधी दल के नेताओं को भी पहले दिलवायी जाय। इससे कोई फर्क नहीं पडेगा लेकिन परम्पराओं को निभाने में आपका पूर्ण योगदान रहेगा।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, जो क्रम शपथ ग्रहण का प्रारम्भ हुआ है वह हमारी विधान सभा के नियमों के अन्तर्गत है और परम्पराओं के अनुकूल है। लोक सभा में जो परम्परा रही है वह मैं आपको पढ़कर सुना देता हूं—

"Members make and subscribe the oath or affirmation in a particular order. The names of members are called by the Secretary General for the purpose of making and subscribing oath or affirmation. The Prime Minister is called first, followed by other Ministers. After that, the names of the panel of Chairmen are called. Thereafter, the names of other members are called State-wise. The names of the members, who are not able to make and subscribe the oath or affirmation, are called again at the end."

इसके अनुसार जो क्रम अभी जारी किया गया है वह मेरे ख्याल में कोई नयी बात तो है नहीं।

श्री शोपत सिंह : बिलकुल नयी है।

श्री बाऊदयाल जोशी (दोगोद) : अध्यक्ष महोदय, परम्परायें हमेशा बनायी जा सकती हैं, एक नयी परम्परा डाली जा सकती है। परम्पराओं को बनाने वाले हम हैं, नियम बनाने वाले हम हैं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपके पाइन्ट ऑफ आर्डर को मैं निरस्त करता हूं।

श्री शोपत सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रक्रिया का जहां तक सवाल है, इसमें कोई एतराज नहीं है। सवाल एक ही है, या तो एल्फाबैटिकली हो। आप एल्फाबैटिकली नहीं चल रहे हैं। जब रूलिंग पार्टी के नेता को पहले लेते हैं आप तो स्वाभाविक तौर से जो विरोधी दल के नेता हैं उनको भी दिलायें पहले। एल्फाबैटिकली नहीं ले रहे हैं आप, पद और गरिमा के हिसाब से ले रहे हैं तो विरोधी पक्ष के नेता को उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए जितना सत्ता पक्ष के नेता को देते हैं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आज शपथ ग्रहण करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में कोई नया प्रॉसिजर मैं इन्ट्रोड्यूस नहीं करना चाहता। लोक सभा की जो परम्परा रही है उसके अनुकूल ही शपथ ग्रहण होगी। आपकी यह आपत्तियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मैं निरस्त करता हूं।

श्री शोपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र में यह अधिकार है और इस अधिकार को आप तोड़ना चाहते हैं तो बड़ी गलत परम्परा डाल रहे हैं। आप यह शुरुआत ही गलत कर रहे हैं।

श्रीमती उजला अरोड़ा : आप तालियों की आवाज करके इस तरह आवाज को दबाना चाह रहे हैं तो इतनी तेज आवाज थपथपाहट की होगी, आपको भी बोलने नहीं दिया जायेगा।

श्री भंवरलाल शर्मा : यह भी नहीं बोल पायेंगे।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। आसन पैरों पर है। सचिव महोदय, आप कृपया क्रमवार नाम पुकारिये शपथ ग्रहण कार्यवाही प्रारम्भ करावें।

श्री सचिव : श्री अब्दुल अजीज।

(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कोई निवेदन नहीं करना चाहता। नहीं सुनूंगा मैं। आप स्थान ग्रहण करें।

श्री हरिशंकर भाभड़ा (रतनगढ़) : अध्यक्ष महोदय, परम्परा को आपने स्वयं कुर्सी पर बैठकर तोड़ा है।

श्री अध्यक्ष : स्थान ग्रहण करें।

श्री हरिशंकर भाभड़ा : अध्यक्ष महोदय, परम्पराओं को आपने स्वयं तोड़ा है।

श्रीमती सुमित्रा सिंह (झुंझुनू) : माननीय अध्यक्ष महोदय, सुन तो मेरी भी लीजिए। एक मिनट तो सुन लीजिए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस परम्परा का जिक्र आपने किया वह पार्लियामेंट की परम्परा है। इस सदन की परम्परा तो यह रही है कि एल्फाबेटिकली ही यहां पर शपथ दिलायी जाती है। ऐसा पहली बार हुआ है।

श्री हरिदेव जोशी (मुख्य मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को यह निवेदन करना चाहता हूं.......

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्या, मंत्रि-परिषद् के सदस्यों को शपथ दिलाने के पश्चात् एल्फाबेटिकल आर्डर में नाम पुकारे जाते हैं।

श्रीमती सुमित्रा सिंह : राजस्थान विधान सभा की प्रैक्टिस यह नहीं रही है। परम्परा तो आप तोड़ रहे हैं।

श्री हरिदेव जोशी : मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि जो प्रॉसिजर लेड-डाउन है उसके आधार पर ही कार्यवाही चल रही है।

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सीकर) : वह तो आपने तोड़ दिया है, मुख्य मंत्रीजी। महारावल साहब को अध्यक्ष बना कर आपने परम्परा को तोड़ा है। इनसे सीनियर मैम्बर यहां उपस्थित थे उनको भी बना सकते थे लेकिन सबसे पहले परम्पराओं को आपने तोड़ा है।

श्री हरिदेव जोशी : यह एक बहुत ही पवित्र अवसर है, इस पवित्र अवसर के ऊपर हमको कोई ऐसी भावनायें हैं तो उसके बहुत अवसर मिलेंगे, उस समय हमको अपनी बात कहनी चाहिये। आज मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूं, शपथ ग्रहण पूरा हो जाना चाहिए। इसमें व्यवधान नहीं होना चाहिए।

(8)

श्री दाऊदयाल जोशी : पवित्र अवसर पर पवित्र चीजें की जानी चाहिये।

सुश्री पुष्पा जैन : इस पवित्र अवसर के लिए ही मैं निवेदन करना चाहती हूं कि आपकी यह पवित्र परम्परा बनी रहे इसलिए जरूरी होगा कि विरोधी दल के नेता को भी शपथ दिलाई जाय।

श्री बुलाकीदास कल्ला : आपको याद है, 1977 में क्या क्रम था ?

श्री हरीश शर्मा (खानपुर) : यह तानाशाही अब नहीं चलेगी, लगाम दो।

एक माननीय सदस्य : आप इतनी भी उदारता नहीं दिखा सकते हैं ?

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य विपक्ष के, मैं बड़ी अदब के साथ निवेदन करता हूं, मैं भी इस सदन का सदस्य रह चुका हूं और कोई भी नया प्रॉसिजर आज इन्ट्रोड्यूज नहीं किया गया है। जो पहले होता आया है उसी परम्परा के अनुकूल हम चल रहे हैं। आप कृपया व्यवधान न करें।

यह आपकी आपत्तियां, मैं समझता हूं, उचित नहीं है और मैं इन्हें निरस्त करता हूं।

शपथ ग्रहण अथवा प्रतिज्ञान

नव निर्वाचित सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण अथवा प्रतिज्ञान

सदस्य का नाम	शपथ/प्रतिज्ञान	भाषा जिसमें शपथ ग्रहण की
श्री अब्दुल अजीज	शपथ	उर्दू

श्री दाऊदयाल जोशी : अध्यक्षजी, रामायण को उल्टा कर दिया।

1	2	3
श्री अब्दुल हादी	शपथ	उर्दू
श्री अमरचन्द	शपथ	हिन्दी

श्री शिवराम शर्मा (बनीपार्क) : आपके सदस्य आते हैं तो हम ताली बजाते हैं। हमारे सदस्य आयें तो आप ताली बजाओ। यह डेमोक्रेसी है।

1	2	3
श्री अर्जुनसिंह	शपथ	हिन्दी

श्री शोपत सिंह : सदस्य की कान्स्टीटयूएंसी का नाम तो लेना चाहिये। विधान सभा क्षेत्र का नाम आ जाय तो अच्छा रहे This is intordccaion also

1	2	3
श्री अश्क अली टाक	शपथ	हिन्दी
श्री इकबाल अहमद	शपथ	हिन्दी
श्री इन्द्रसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री ईश्वरलाल सैनी	शपथ	हिन्दी
श्रीमती उजला अरोड़ा	शपथ	संस्कृत
श्री उदयराम धाकड़	शपथ	हिन्दी
श्री उम्मेदसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री उम्मेदी लाल	शपथ	हिन्दी
श्री ऋषिकेश	शपथ	हिन्दी
श्रीमती कमला (सागवाड़ा)	शपथ	हिन्दी
श्री कमला	शपथ	हिन्दी

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सीकर) : यह श्रीमती कमला नहीं है। यह श्री कमला है।
श्री बुलाकी दास कल्ला : यह कमला भाई है।

1	2	3
श्री कल्याणसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री कालीचरण सराफ	शपथ	हिन्दी
श्री किरोड़ीलाल	शपथ	हिन्दी
श्री किशन मोटवानी	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्री केदारनाथ	शपथ	हिन्दी
श्री केसरदेव	शपथ	हिन्दी
श्री कुबेरसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री कृष्णचन्दर विश्नोई	शपथ	हिन्दी
श्री खंगारसिंह चौधरी	शपथ	हिन्दी
श्री खेमराज कटारा	शपथ	हिन्दी
श्री गंगाराम चौधरी	शपथ	हिन्दी
श्री गणेशलाल बैरागी	शपथ	हिन्दी
श्री गिरधारीलाल भार्गव	शपथ	हिन्दी
कुमारी गिरिजा व्यास	शपथ	हिन्दी
श्री गुरदीपसिंह ।		
श्री गोविन्दसिंह	प्रतिज्ञान	हिन्दी

एक माननीय सदस्य : मंत्री पद पर रहे हैं। दिला दो साहब।

श्री भंवरलाल शर्मा : हरिइच्छा।

1	2	3
श्री ग्यारसीलाल	शपथ	हिन्दी
श्री घनश्याम तिवाड़ी	शपथ	हिन्दी
श्री चन्द्र शेखर	शपथ	हिन्दी
श्री चन्द्र शेखर शर्मा	शपथ	हिन्दी
श्री चम्पालाल बांठिया	शपथ	हिन्दी
श्री चुन्नीलाल इन्दलिया	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्री चुन्नीलाल मेघवाल	शपथ	हिन्दी
श्रीमती जकिया इनाम	शपथ	हिन्दी
श्री जगतसिंह दायमा	शपथ	हिन्दी
श्री जगदीश प्रसाद तिवाड़ी	शपथ	हिन्दी
श्री जगन्नाथ	शपथ	हिन्दी
श्री जगन्नाथ पहाड़िया	अनुपस्थित	
श्री जगमालसिंह यादव	शपथ	हिन्दी
श्री जयकिशन तोसावड़ा	शपथ	हिन्दी
श्री जयनारायण पूनिया	शपथ	हिन्दी
श्री जयनारायण बैरवा	शपथ	हिन्दी
श्री जीवराजसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री ज्वालाप्रसाद शर्मा	शपथ	हिन्दी
श्री डूंगरराम पंवार	शपथ	हिन्दी
श्री थानसिंह मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री दयाराम	शपथ	हिन्दी
श्री दलजीत	शपथ	हिन्दी
श्री दाऊदयाल जोशी	शपथ	संस्कृत
श्री दिग्विजयसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री दीनबन्धु वर्मा	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्री दीपचन्द राठौड़	शपथ	हिन्दी
श्री देवीलाल (माननीय अध्यक्ष ने शपथ दिलाई)		
श्री देवीसिंह भाटी	अनुपस्थित	
श्री देवेन्द्रकुमार मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री धनराज मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री नत्थीसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री नरपतराम बरबड़	शपथ	हिन्दी
श्री नवनीतलाल निनामा	शपथ	हिन्दी
श्री नवरंग सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री नाथूराम (डूंगरपुर)	शपथ	हिन्दी
श्री नाथूराम मिर्धा (मेड़ता)	शपथ	हिन्दी
श्री नाथूसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री नारायणराम बेडा	शपथ	हिन्दी
श्री नारायणसिंह (दांतारामगढ़)	शपथ	हिन्दी
श्री नारायणसिंह (मालपुरा)	शपथ	हिन्दी
श्रीमती नीलिमा	शपथ	हिन्दी
श्री पंकज पंचोली	शपथ	हिन्दी
श्री पन्नालाल मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री परसादीलाल	शपथ	हिन्दी
सुश्री पुष्पा	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्रीमती पुष्पा देवी	शपथ	हिन्दी
श्री पोकरलाल परिहार	शपथ	हिन्दी
श्री प्रणवीर व्यास	शपथ	हिन्दी
श्री प्रतापसिंह (छबड़ा)	शपथ	हिन्दी
श्री प्रतापसिंह (जैतारण)	शपथ	हिन्दी
श्री प्रभुदयाल मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री प्रभुलाल	शपथ	हिन्दी
श्री फूलचन्द	शपथ	हिन्दी
श्री बहादुरसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री बाबूलाल बैरवा	शपथ	हिन्दी
श्री बिरदमल सिंघवी	शपथ	हिन्दी
श्री बिहारीलाल पारीक	शपथ	हिन्दी
श्रीमती बीना काक	शपथ	हिन्दी
श्री बुलाकीदास	शपथ	हिन्दी
श्री ब्रजेन्द्रसिंह	शपथ	हिन्दी

श्री भंवरलाल शर्मा : आप दिला दें साहब मैं संस्कृत में शपथ लूंगा।

श्री अध्यक्ष : यहां आवो।

श्री भंवरलाल शर्मा : संस्कृत में लूंगा मैं।

श्री सचिव : संस्कृत में है।

श्री भंवरलाल शर्मा : आप दिला दें साहब मैं संस्कृत में लूंगा।

श्री अध्यक्ष : संस्कृत में। मैं तो संस्कृत नहीं जानता। लेकिन मैं शुभकामना आपको प्रस्तुत कर दूंगा संस्कृत में।

(१४)

1	2	3
श्री भंवरलाल शर्मा (हवामहल)	शपथ	संस्कृत

एक माननीय सदस्य : चन्दन के तिलक --

श्री भंवरलाल शर्मा : चन्दन का तिलक पहले लगा लिया मैंने ।

1	2	3
श्री भंवरलाल शर्मा (सरदारशहर)	शपथ	हिन्दी
श्री भंवराराम	शपथ	हिन्दी
श्री भगराज चौधरी	शपथ	हिन्दी
श्री भरतलाल	शपथ	हिन्दी
श्री भैरूलाल भारद्वाज	शपथ	हिन्दी
श्री भैरूलाल मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री भैरोंसिंह शेखावत	(अनुपस्थित)	
श्री भूदरमल वर्मा	शपथ	हिन्दी
श्री भोलाराम	शपथ	हिन्दी
श्री मदन महाराजा	शपथ	हिन्दी
श्री मदनलाल	शपथ	हिन्दी
श्री मनफूलराम	शपथ	हिन्दी
श्री महादेव सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री महेन्द्र कुमार परमार	शपथ	हिन्दी
श्री महेन्द्र शास्त्री	शपथ	हिन्दी
श्री मांगीलाल मेघवाल	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्री मांगीलाल आर्य	शपथ	हिन्दी
श्री माणकचन्द डागी	शपथ	हिन्दी
श्री माधवसिंह दीवान	शपथ	हिन्दी
श्री मानसिंह देवड़ा	शपथ	हिन्दी
श्री मानिकचन्द सुराना	प्रतिज्ञान	हिन्दी
श्री मालाराम	शपथ	हिन्दी

श्री अध्यक्ष : यहां ले आवो, यहां ले आओ। आ जाओ। मैं बोल रहा हूं, धीरे-धीरे बोलो।

1	2	3
श्री मुक्ति लाल मोदी : (माननीय अध्यक्ष ने शपथ दिलायी)		हिन्दी
श्री मुलतान राम	शपथ	हिन्दी
श्री मूलचन्द मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री मोटाराम	अनुपस्थित	
श्री मोतीलाल मीणा	शपथ	हिन्दी
श्री मोहन प्रकाश	शपथ	हिन्दी
श्री मोहनलाल बाल्पाल	शपथ	हिन्दी
श्री मोहनलाल चौहान	शपथ	हिन्दी
श्री मोहनलाल छंगाणी	शपथ	हिन्दी
श्री यदुनाथसिंह	प्रतिज्ञान	बृजभाषा

1	2	3
श्री रघुनाथ परिहार	शपथ	हिन्दी
श्री रघुनाथ विश्नोई	शपथ	हिन्दी
श्री रघुवर दयाल गोयल	शपथ	हिन्दी
श्रीमती रतन कंवर	(माननीय अध्यक्ष ने शपथ दिलाई)	हिन्दी
श्री रतनलाल ताम्बी	शपथ	हिन्दी

(श्री गिरिराज प्रसाद तिवारी, (1 05 म. प.) सभापति, पदासीन)

1	2	3
श्री रमजान खां	शपथ	हिन्दी
श्री राजकुमार जयपाल	शपथ	हिन्दी
श्री राजेन्द्र चौधरी	शपथ	हिन्दी
श्री राजेश	शपथ	हिन्दी
श्री रामकिशन वर्मा	शपथ	हिन्दी
श्री रामगोपाल सीसोदिया	शपथ	हिन्दी

श्री रामचन्द्र जाट : माननीय सभापति महोदय, मैं शपथ तो ले रहा हूं मुझे एक शिकायत है कि जो सीट नम्बर मुझे अलाट किया गया है वह 110 किया गया है इसमें थोड़ा सा परिवर्तन करवा दें । 110 किसी और को अलाट करवा दीजिये ।

श्री शोपत सिंह : you deserve.

श्री भंवरलाल शर्मा : जाट साहब, 110 किस को अलाट की जाय, आप बता दो। आप अपना उत्तराधिकारी बता दो ।

श्री सभापति : कृपया स्थान ग्रहण करें।

1	2	3
श्री रामचन्द्र जाट	शपथ	हिन्दी
श्री रामदेव	शपथ	हिन्दी
श्री रामधन	शपथ	हिन्दी
श्री रामलाल सोलंकी	शपथ	हिन्दी
श्री रामसिंह विश्नोई	शपथ	हिन्दी
श्री रामेश्वर दयाल यादव	शपथ	हिन्दी
श्री रेवतराम	शपथ	हिन्दी
श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी	शपथ	हिन्दी

(व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य : कहां से आये हो, साहब। शेम, शेम।

श्री सभापति : स्थान ग्रहण करें, अच्छा नहीं लगता।

श्री बुलाकीदास कल्ला : जो संविधान में मान्यता प्राप्त भाषायें हैं उनमें से किसी भी भाषा में शपथ ले सकते हैं। कोई एतराज नहीं होना चाहिए।

श्री दाऊदयाल जोशी : अंग्रेज चले गये।

श्री गिरधारीलाल भार्गव (किशनपोल) : राजस्थान में अंग्रेज बसते है।

श्री दाऊदयाल जोशी : यह राष्ट्र भाषा का अपमान है। मुख्य सचेतक जी आप राष्ट्र भाषा का अपमान कर रहे हैं।

श्री सभापति : कहां दर्द हो रहा है। यह एक नौजवान है।

श्री दाऊदयाल जोशी : नौजवान को शर्म आनी चाहिए।

श्री बुलाकीदास कल्ला : संविधान में जिन भाषाओं को मान्यता मिली हुई है, उनमें से किसी भी भाषा में शपथ ले सकते हैं। विपक्ष के कई माननीय सदस्यों ने कई बार अंग्रेजी में शपथ ली हुई है।

श्री यदुनाथ सिंह : विदेशी यहां शपथ नहीं ले सकते ।

1	2	3
श्री, ललित भाटी	शपथ	अंग्रेजी

श्री गुलाबसिंह शक्तावतः सभापति महोदय, उन्होंने शपथ ले ली है आगे का कार्य-क्रम जारी रखें ।

1	2	3
श्री लक्ष्मणसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री लक्ष्मी नारायण किसान	शपथ	हिन्दी
श्री लक्ष्मी नारायण भांभू	शपथ	हिन्दी
श्री लालचन्द	शपथ	हिन्दी
श्री वरसिंह	शपथ	हिन्दी
श्रीमती वसुन्धरा राजे सिंधिया	शपथ	हिन्दी
श्री विजय सिंह	शपथ	हिन्दी

श्री विजेन्द्र पाल सिंह : अगर आपत्ति न हो तो इंग्लिश में शपथ ले लूं ।

अनेक माननीय सदस्य : नहीं ।

श्री ईश्वरलाल सैनी : आपत्ति इनको तो होगी ।

1	2	3
श्री विजेन्द्र पाल सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री शंकरलाल अहारी	शपथ	हिन्दी
श्री शमशुल हसन	शपथ	हिन्दी

(व्यवधान)

श्री यदुनाथ सिंह : × × ×

श्री नत्थीसिंह : × × ×

श्री यदुनाथ सिंह : × × ×

श्री नत्थीसिंह : इनमें नैतिकता कहां।

श्री यदुनाथ सिंह : × × ×

श्री सभापति : कृपया स्थान ग्रहण करें।

श्री बुलाकीदास कल्ला : आज पैरों पर है।

श्री नत्थीसिंह : सभापति महोदय, × × ×

श्री यदुनाथ सिंह : इस पवित्र अवसर को अपवित्र मत कीजिये। × × ×

Shri Chairman : "The whole of this episode is a very un-heal Thy precedent. May I suggest that when the oath is finished and upto the time he signed the register, nothing will form part of the record. Nothing should be said from the time the oath is taken till signing in the register. It is a solemn ceremony. After that you are at liberty to say what ever you like to say."

श्री नत्थीसिंह : लिखना बन्द करा सकते हैं, मुंह बन्द नहीं कर सकते।

श्री सभापति : इस वक्त पायस सेरेमनी चल रही है। कृपया शान्त रहें। यह एपिसोड हुआ है आपको तकलीफ है तकलीफ हमें भी दे रहा है।

श्री यदुनाथ सिंह : शांत कैसे रहें।

1	2	3
श्री शिवचरण माथुर	शपथ	हिन्दी

× × × अभिव्यक्ति माननीय अध्यक्ष के आदेशानुसार अपलोपित की गयी।

1	2	3
श्री शिवचरण सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री शिव नारायण	शपथ	हिन्दी
श्री शिवराम शर्मा	शपथ	हिन्दी
श्री शोपत सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री सम्पतसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री सी. पी. जोशी	प्रतिज्ञान	हिन्दी
श्री सुजानसिंह यादव	शपथ	हिन्दी
श्रीमती सुधा	शपथ	हिन्दी
श्री सुन्दरलाल	शपथ	हिन्दी
श्रीमती सुमित्रा सिंह	प्रतिज्ञान	हिन्दी
श्री सूरजपाल सिंह	शपथ	हिन्दी
श्री सूरमा राम गिरासिया	शपथ	हिन्दी
श्री सोहनसिंह	शपथ	हिन्दी
श्री हंसराज	शपथ	हिन्दी
श्री हनुमान प्रसाद प्रभाकर	शपथ	हिन्दी
श्रीमती हमीदा बेगम	शपथ	हिन्दी
श्री हरजीराम बुरडक	शपथ	हिन्दी
श्री हरलाल सिंह खर्रा	शपथ	हिन्दी
श्री हरि कुमार औदिच्य	शपथ	हिन्दी

1	2	3
श्री हरिमोहन शर्मा	शपथ	हिन्दी
श्री हरिश	शपथ	हिन्दी
श्री हरिशंकर भाभड़ा	शपथ	हिन्दी
श्री हरिश्चन्द्र पल्लीवाल	शपथ	हिन्दी

(श्रीमती विद्या पाठक, सभापति, पदासीन)

1	2	3
श्री हरिशचन्द्र कुमावत	शपथ	हिन्दी
श्री हीरालाल आर्य	शपथ	हिन्दी
श्री हीरालाल इन्दोरा	शपथ	हिन्दी
श्री हीरालाल देवपुरा	शपथ	हिन्दी
श्री हीरालाल सहरिया	शपथ	हिन्दी
श्री हीरासिंह चौहान	शपथ	हिन्दी
श्री हेमाराम चौधरी	शपथ	हिन्दी
श्री गुरदीपसिंह	अनुपस्थित	
श्री जगन्नाथ पहाड़िया	अनुपस्थित	

1	2
श्री देवीसिंह भाटी	अनुपस्थित
श्री भैरोंसिंह शेखावत	अनुपस्थित
श्री मोटाराम	अनुपस्थित

श्री सभापति : सदन की कार्यवाही कल 20 तारीख को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तद्नन्तर सदन की कार्यवाही म. प. 1.50 बजे, बुधवार दिनाक 20 मार्च, 1985 के म. पू. 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हुई।)